भारतीय रेड क्रास सोसायटी
श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज इकाई, गोण्डा
पी0पी0टी0सी0टी– प्रिवेंशन ऑफ पैरेण्ट्स टु चाइल्ड ट्रांसमिशन
09 मार्च, 2022

आज दिनांक 9 मार्च, 2022 को श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज, गोण्डा के ललिता शास्त्री सभागार में कॉलेज की रेड क्रास इकाई द्वारा उत्तर प्रदेश एड्स नियंत्रण सोसाइटी के तत्वावधान में पीपीटीसीटी कार्यक्रम में युवाओं की भूमिका विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता श्री दिनेश सिंह, प्रोजेक्ट आफिसर, पीपीटीसीटी थे। श्री गौरव श्रीवास्तव, फील्ड ऑफिसर, पीपीटीसीटी भी उपस्थित थे।

मुख्य वक्ता ने बताया कि वर्तमान में भारत में लगभग 22 लाख लोग एड्स की दवाईयाँ ले रहे हैं। अनेकों ऐसे व्यक्ति हैं जो सामाजिक लांछन के कारण एड्स की जॉच ही नहीं करवाते हैं। यह कार्यक्रम किशोरियों हेतु आयोजित है ताकि आने वाली पीढ़ियों को एच0आई0वी0 इंफेक्शन से बचाया जा सके। उन्होंने बताया कि हाथ मिलाने, गले मिलने, कपड़ों के आदान–प्रदान से, साथ खाना खाने से या मच्छर काटने से एड्स नहीं होता है। माताओं को गर्भावस्था के तीन माह के अन्दर एच0आई0वी0 जॉच करवा लेनी चाहिये ताकि यदि संक्रमण हो तो बच्चे को संक्रमण से बचाया जा सके। यदि माता संक्रमित हो तो बच्चे को जन्म के 72 घण्टे के अन्दर निवरापिन नामक दवाई पिलाई जाती है जिससे कि उसमें होने वाले संक्रमण की दर को काफी हद तक कम किया जा सके।

भारत में एड्स पीड़ितों के लिए जॉच एवं उपचार निःशुल्क उपलब्ध है। अतः यदि समस्या हो तो उपचार से न घबड़ायें। यदि उचित उपचार मिलता रहेगा तो स्वस्थ्य जीवन जीने की सम्भावना बढ़ जायेगी।

प्राचार्य प्रोफेसर रवीन्द्र कुमार ने अपने उद्बोधन में बताया कि सभी छात्रों को आचार–व्यवहार–विचार का पालन करना चाहिये। भारत में असुरक्षित यौन सम्बन्ध एच0आई0वी0 संक्रमण का मुख्य कारण नहीं है क्योंकि हमारी जीवन शैली अच्छी है। संक्रमित रक्त के सम्पर्क में आना एच0आई0वी0 संक्रमण की मुख्य वजह हो सकती है। जिसके कारण भावी बच्चों में भी माताओं से हस्तांतरण हो सकता है।

रेड क्रास स्वयंसेविका सरोजिनी कुमारी ने फीड बैक दिया कि यह कार्यक्रम एच0आई0वी0/एड्स से भावी पीढ़ी को बचाने में उपयोगी होगा।

कार्यक्रम का संचालन रेड क्रास प्रभारी डॉ0 राजीव कुमार अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर डॉ0 वी0सी–एच0एन0के0श्रीनिवासा राव, डॉ0 मंशाराम वर्मा, डॉ0 रामिन्त पटेल, डॉ0 चमन कौर, नीतू सक्सेना, अमित, सरिता, एस0एन0 पाठक, संदीप मिश्रा आदि उपस्थित थे।

गोंडा श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज रेड क्रास सोसायटी

ब्यूरो मंडल प्रभारी सुरेश कनौजिया नगर संवाददाता शिव कुमार कनौजिया

गोंडा । दिनांक 9 मार्च, 2022 को श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज, गोण्डा के ललिता शास्त्री सभागार में कॉलेज की रेड क्रास इकाई द्वारा उत्तर प्रदेश एड्स नियंत्रण सोसाइटी के तत्वावधान में पीपीटीसीटी कार्यक्रम में युवाओं की भूमिका विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता श्री दिनेश सिंह, प्रोजेक्ट आफिसर, पीपीटीसीटी थे। श्री गौरव श्रीवास्तव, फील्ड ऑफिसर, पीपीटीसीटी थे। मुख्य वक्ता ने बताया कि वर्तमान में भारत में लगभग 22 लाख लोग एड्स की दवाईयाँ ले रहे हैं। अनेकों ऐसे व्यक्ति हैं जो सामाजिक लांछन के कारण एड्स की जाँच ही नहीं करवाते हैं। यह कार्यक्रम किशोरियों हेतु आयोजित है ताकि आने वाली पीढ़ियों को एच0आई0वी0 इंफेक्शन से बचाया जा सके। उन्होंने बताया कि हाथ मिलाने, गले मिलने, कपड़ों के आदान-प्रदान से, साथ खाना खाने से या मच्छर काटने से एड्स नहीं होता है। माताओं को गर्भावस्था के तीन माह के अन्दर एच0आई0वी0 जाँच करवा लेनी चाहिये ताकि यदि संक्रमण हो तो बच्चे को संक्रमण से बचाया जा सके। यदि माता संक्रमित हो तो बच्चे को जन्म के 72 घण्टे के अन्दर निवरापिन नामक दवाई पिलाई जाती है जिससे कि उसमें होने वाले संक्रमण की दर काफी हद तक कम किया जा सके। भारत में एड्स पीड़ितों के लिए जाँच एवं उपचार निःशुल्क उपलब्ध है। अतः यदि समस्या हो तो उपचार से न घबड़ायें। यदि उचित उपचार मिलता रहेगा तो स्वस्थ्य जीवन जीने की सम्भावना बढ़ जायेगी। प्राचार्य प्रोफेसर रवीन्द्र कुमार ने अपने उद्बोधन में बताया कि सभी छात्रों को आचार-व्यवहार-विचार का पालन करना चाहिये। भारत में असुरक्षित यौन सम्बन्ध एच0आई0वी0 संक्रमण का मुख्य कारण नहीं है क्योंकि हमारी जीवन शैली अच्छी है। संक्रमित रक्त के सम्पर्क में आना एच0आई0वी0 संक्रमण की मुख्य वजह हो सकती है। जिसके कारण भावी बच्चों में भी माताओं से हस्तांतरण हो सकता है। रेड क्रास स्वयंसेविका सरोजिनी कुमारी ने फीड बैक किया कि यह कार्यक्रम उनके जीवन में उपयोगी होगा।

पीपीटीसीटी कार्यक्रम में युवाओं की भूमिका विषय पर व्याख्यान आयोजित

गोंडा। लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज के ललिता शास्त्री सभागार में कालेज की रेडक्रास इकाई द्वारा उत्तर प्रदेश एड्स नियंत्रण सोसाइटी के तत्वावधान में पीपीटीसीटी कार्यक्रम में युवाओं की भूमिका विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता प्रोजेक्ट आफिसर पीपीटीसीटी दिनेश सिंह व फील्ड आफिसर गौरव श्रीवास्तव थे।

मुख्य वक्ता ने दिनेश सिंह बताया कि वर्तमान में भारत में लगभग 22 लाख लोग एड्स की दवाईयां ले रहे हैं। अनेकों ऐसे व्यक्ति हैं जो सामाजिक लांछन के कारण एड्स की जाँच ही नहीं करवाते हैं। यह कार्यक्रम किशोरियों हेतु आयोजित है ताकि आने वाली पीढ़ियों को एचआईवी संक्रमण से बचाया जा सके। उन्होंने बताया कि हाथ मिलाने, गले मिलने, कपड़ों के आदान-प्रदान से, साथ खाना खाने से या मच्छर काटने से एड्स नहीं होता है। माताओं को गर्भावस्था के तीन माह के अन्दर एचआईवी जांच करवा लेनी चाहिये ताकि यदि संक्रमण हो तो बच्चे को संक्रमण से बचाया जा सके। यदि माता संक्रमित हो तो बच्चे को जन्म के 72 घण्टे के अन्दर निवरापिन नामक दवाई पिलाई जाती है जिससे कि उसमें होने वाले संक्रमण की दर को काफी हद तक कम किया जा सके। भारत में एड्स पीड़ितों के लिए जाँच एवं उपचार निःशुल्क उपलब्ध है। अतः यदि समस्या हो तो उपचार से न घबड़ायें। यदि उचित उपचार मिलता रहेगा तो स्वस्थ्य जीवन जीने की सम्भावना बढ़ जायेगी।प्राचार्य प्रोफेसर रवीन्द्र कुमार पाण्डेय ने अपने उद्बोधन में बताया कि सभी छात्रों को आचार-व्यवहार-विचार का पालन करना चाहिये। भारत में असुरक्षित यौन सम्बन्ध एचआईवी संक्रमण का मुख्य कारण नहीं है क्योंकि हमारी जीवन शैली अच्छी है। संक्रमित रक्त के सम्पर्क में आना संक्रमण की मुख्य वजह हो सकती है। जिसके कारण भावी बच्चों में भी माताओं से हस्तांतरण हो सकता है। रेड क्रास स्वयंसेविका सरोजिनी कुमारी ने फीड बैक किया कि यह कार्यक्रम उनके जीवन में उपयोगी होगा। कार्यक्रम का संचालन रेड क्रास प्रभारी डा. राजीव कुमार अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर डा. वीसी एचएनके श्रीनिवास राव, डा. मंशाराम वर्मा, डा. रामिन्द्र पटेल, डा. चमन कौर, नीतू सक्सेना, अमित, सरिता, एसएन पाठक, संदीप मिश्रा आदि उपस्थित थे।